Series BVM/5

कोड नं.
Code No. **61/5/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **14 + 1** मानचित्र हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **14** printed pages and **1** Map.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **16** questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इतिहास
HISTORY

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 80*

https://www.evidyarthi.in/

सामान्य निर्देश :

(i) ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं ।*

(ii) *प्रश्न संख्या **1** से **3** **दो** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **30** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(iii) *प्रश्न संख्या **4** से **9** **चार** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **100** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(iv) *प्रश्न संख्या **10** से **12** **आठ** अंकों वाले हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **350** शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए ।*

(v) *प्रश्न संख्या **13** से **15** स्रोत आधारित प्रश्न हैं ।*

(vi) *प्रश्न संख्या **16** मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न है, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्त्वपूर्ण परीक्षण मदों का स्थान दर्शाना शामिल है । मानचित्र को उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए ।*

General Instructions :

(i) *Answer **all** the questions. Some questions have internal choice. Marks are indicated against each question.*

(ii) *Answer to questions no. **1** to **3** carrying **2** marks should not exceed **30** words each.*

(iii) *Answer to questions no. **4** to **9** carrying **4** marks should not exceed **100** words each.*

(iv) *Answer to questions no. **10** to **12** carrying **8** marks should not exceed **350** words each.*

(v) *Questions no. **13** to **15** are source based questions.*

(vi) *Question no. **16** is a Map question that includes identification and location of significant test items. Attach the map with the answer-book.*

खण्ड क
PART A
(अति लघु-उत्तरीय प्रश्न)
(Very Short-Answer Type Questions) $2\times3=6$

1. कुषाण शासकों ने अपनी उच्च स्थिति के उदाहरण को किस प्रकार प्रस्तुत किया ? 2

How did Kushana rulers exemplify themselves with the high status ?

https://www.evidyarthi.in/

2. विजयनगर के विट्ठल मन्दिर की किन्हीं दो मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *2*

अथवा

विजयनगर के शहरी केन्द्र की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *2*

State any two characteristic features of the Vitthala temple of Vijayanagara.

OR

State any two features of the urban core of Vijayanagara.

3. संथाल विद्रोह के कारणों का विश्लेषण कीजिए । *2*

Analyse the reasons for the Santhal revolt.

खण्ड ख

PART B

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

(Short-Answer Type Questions) *4×6=24*

4. ग्यारहवीं शताब्दी से सोलहवीं शताब्दियों के बीच सूफी सन्तों और राज्य के सम्बन्धों की पहचान कीजिए । *4*

Identify the relationship between the Sufis and the State from eleventh to the sixteenth centuries.

5. "बम्बई की स्थापत्य शैली में शाही दृष्टि कई तरह से दिखाई देती थी ।" कथन को किन्हीं दो उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए । *4*

"The architectural style of Bombay reflected the imperial vision." Substantiate the statement with any two examples.

6. "फ्रांस्वा बर्नियर के विवरणों ने अठारहवीं शताब्दी से पश्चिमी विचारकों को प्रभावित किया ।" कथन की न्यायसंगत पुष्टि कीजिए । *4*

"François Bernier's description influenced Western theorists from the eighteenth century onwards." Justify the statement.

https://www.evidyarthi.in/

7. अंग्रेज़ों की अवध अधिग्रहण नीति की आलोचनात्मक परख कीजिए । *4*

अथवा

कला और साहित्य ने रानी लक्ष्मीबाई को 1857 के विद्रोह के नायक के रूप में कैसे पेश किया है ? जाँच कीजिए । *4*

Critically examine the British policy of annexation in Awadh.

OR

Examine how art and literature presented Rani Laxmibai as a heroic figure of the revolt of 1857.

8. इतिहासकारों ने हड़प्पा संस्कृति के निर्वाह के तरीकों को किस प्रकार नई दिशा प्रदान की है ? व्याख्या कीजिए । *4*

अथवा

भारतीय पुरातत्त्व में जॉन मार्शल के योगदान की व्याख्या कीजिए । *4*

How have historians provided new insight into the subsistence strategies of the Harappan culture ? Explain.

OR

Explain the contribution of John Marshall in Indian Archaeology.

9. आरंभिक भारतीय इतिहास में छठी शताब्दी ई.पू. को एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन काल क्यों माना जाता है ? स्पष्ट कीजिए । *4*

Why is the sixth century BCE often regarded as a major turning point in early Indian history ? Explain.

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड ग
PART C
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)
(Long-Answer Type Questions)

8×3=24

10. "ई.पू. 600 से ई.सं. 600 तक पौराणिक हिंदू धर्म में विभिन्न विचारों, मूर्तियों और मंदिरों का विकास हुआ ।" कथन को सिद्ध कीजिए । *8*

अथवा

"बौद्ध मूर्तिकला को समझने के लिए कला इतिहासकारों को बुद्ध के चरित लेखन के बारे में समझ बनानी पड़ी ।" कथन को मूर्तिकला की विशेषताओं के साथ स्पष्ट कीजिए । *8*

"Different ideas, sculptures and temples developed in the Puranic Hinduism from *c*. 600 BCE – 600 CE." Substantiate the statement.

OR

"Art historians had to acquire familiarity with hagiographies of the Buddha in order to understand Buddhist sculpture." Explain the statement with the sculptural features.

11. सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियों के दौरान मुग़ल साम्राज्य में ज़मींदारों की भूमिका का वर्णन कीजिए । *8*

अथवा

सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियों के दौरान भारत में जंगलवासियों के जीवन जीने के स्वरूप का वर्णन कीजिए । *8*

Describe the role of Zamindars in the Mughal Empire during the sixteenth and seventeenth centuries.

OR

Describe the life of forest dwellers during the sixteenth and seventeenth centuries in India.

https://www.evidyarthi.in/

12. "1930 की नमक यात्रा पहली घटना थी जिसके चलते महात्मा गांधी दुनिया की नज़र में आए ।" इसके महत्त्व के संदर्भ में कथन को न्यायसंगत ठहराइए । *8*

अथवा

"बहुत सारे इतिहासकार भारत के विभाजन के मौखिक इतिहास के बारे में शंकालु हैं ।" उपयुक्त तर्कों द्वारा कथन को न्यायसंगत ठहराइए । *8*

"The Salt March of 1930 was the first event that brought Mahatma Gandhi to world attention." Justify the statement with reference to its significance.

OR

"Many historians are sceptical of oral history of the partition of India." Justify the statement with suitable arguments.

खण्ड घ
PART D
(स्रोत आधारित प्रश्न)
(Source Based Questions)

7×3=21

13. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बोधिसत्त एक चाण्डाल के रूप में

क्या चाण्डालों ने अपने को समाज की सबसे निचली श्रेणी में रखे जाने का प्रतिरोध किया ? यह कहानी पढ़िए जो पालि में लिखी *मातंग जातक* से ली गई है । इस कथा में बोधिसत्त (पूर्वजन्म में बुद्ध) एक चाण्डाल के रूप में चित्रित हैं ।

एक बार बोधिसत्त ने बनारस नगर के बाहर एक चाण्डाल के पुत्र के रूप में जन्म लिया, उनका नाम मातंग था । एक दिन वे किसी कार्यवश नगर में गए और वहाँ उनकी मुलाकात दिथ्थ मांगलिक नामक एक व्यापारी की पुत्री से हुई । उन्हें देखकर वह चिल्लाई "मैंने कुछ अशुभ देख लिया है ।" यह कहकर उसने अपनी आँखें धोईं । उसके क्रोधित सेवकों ने मातंग की पिटाई की । विरोध में मातंग व्यापारी के घर के दरवाज़े के बाहर जाकर लेट गए । सातवें रोज़ घर के लोगों ने बाहर आकर दिथ्थ को उन्हें सौंप दिया । दिथ्थ उपवास से क्षीण हुए मातंग को लेकर चाण्डाल बस्ती में आई । घर लौटने पर मातंग ने संसार त्यागने का निर्णय लिया । अलौकिक शक्ति हासिल करने के उपरांत वह बनारस लौटे और उन्होंने दिथ्थ से विवाह कर लिया । माण्डव्य कुमार नामक उनका एक पुत्र हुआ । बड़े होने पर उसने तीन वेदों का अध्ययन किया तथा प्रत्येक दिन वह 16,000 ब्राह्मणों को भोजन कराता था ।

https://www.evidyarthi.in/

एक दिन फटे वस्त्र पहने तथा मिट्टी का भिक्षा पात्र हाथ में लिए मातंग अपने पुत्र के दरवाज़े पर आए और उन्होंने भोजन माँगा । माण्डव्य ने कहा कि वे एक पतित आदमी प्रतीत होते हैं अत: भिक्षा के योग्य नहीं, भोजन ब्राह्मणों के लिए है । मातंग ने उत्तर दिया, "जिन्हें अपने जन्म पर गर्व है पर अज्ञानी हैं वे भेंट के पात्र नहीं हैं । इसके विपरीत जो लोग दोषमुक्त हैं वे भेंट के योग्य हैं ।" माण्डव्य ने क्रोधित होकर अपने सेवकों से मातंग को घर से बाहर निकालने को कहा । मातंग आकाश में जाकर अदृश्य हो गए । जब दिथ्थ मांगलिक को इस प्रसंग के बारे में पता चला तो वह उनसे माफ़ी माँगने के लिए उनके पीछे आई । मातंग ने उससे कहा कि वह उनके भिक्षा पात्र में बचे हुए भोजन का कुछ अंश माण्डव्य तथा ब्राह्मणों को दे दें ...

(13.1) 'चाण्डालों' को समाज की सबसे निचली श्रेणी में क्यों रखा जाता था ? *2*

(13.2) दिथ्थ मांगलिक ने मातंग को अशुभ क्यों समझा ? *2*

(13.3) इस स्रोत के आधार पर मातंग की भावनाओं की व्याख्या कीजिए । *3*

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

The Bodhisatta as a *chandala*

Did *chandalas* resist the attempts to push them to the bottom of the social order ? Read this story, which is part of the *Matanga Jataka*, a Pali text, where the Bodhisatta (the Buddha in a previous birth) is identified as a *chandala*.

Once, the Bodhisatta was born outside the city of Banaras as a *chandala's* son and named Matanga. One day, when he had gone to the city on some work, he encountered Dittha Mangalika, the daughter of a merchant. When she saw him, she exclaimed "I have seen something inauspicious" and washed her eyes. The angry hangers-on then beat him up. In protest, he went and lay down at the door of her father's house. On the seventh day they brought out the girl and gave her to him. She carried the starving Matanga back to the *chandala* settlement. Once he returned home, he decided to renounce the world. After attaining spiritual powers, he returned to Banaras and married her. A son named Mandavya Kumara was born to them. He learnt the three Vedas as he grew up and began to provide food to 16,000 Brahmanas every day.

https://www.evidyarthi.in/

One day, Matanga, dressed in rags, with a clay alms bowl in his hand, arrived at his son's doorstep and begged for food. Mandavya replied that he looked like an outcaste and was unworthy of alms; the food was meant for the Brahmanas. Matanga said : "Those who are proud of their birth and are ignorant do not deserve gifts. On the contrary, those who are free from vices are worthy of offerings." Mandavya lost his temper and asked his servants to throw the man out. Matanga rose in the air and disappeared. When Dittha Mangalika learnt about the incident, she followed Matanga and begged his forgiveness. He asked her to take a bit of the leftover from his bowl and give it to Mandavya and the Brahmanas ...

(13.1) Why were 'chandalas' considered as the bottom of the social order ?

(13.2) Why did Dittha Mangalika consider Matanga as inauspicious ?

(13.3) Interpret the feelings of Matanga from this source.

14. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

दरबार-ए-अकबरी

अबुल फ़ज़्ल अकबर के दरबार का बड़ा सजीव विवरण देते हुए कहता है :

> जब भी महामहिम (अकबर) दरबार लगाते हैं तो एक विशाल ढोल पीटा जाता है और साथ-साथ अल्लाह का गुणगान होता है । इस तरह सभी वर्गों के लोगों को सूचना मिल जाती है । महामहिम के पुत्र, पौत्र, दरबारी और वे सभी जिन्हें दरबार में प्रवेश की अनुमति थी, हाज़िर होते हैं और कोर्निश कर अपने स्थान पर खड़े रहते हैं । ख्यातिप्राप्त विद्वज्जन तथा विशिष्ट कौशलों में निपुण व्यक्ति आदर व्यक्त करते हैं; तथा न्याय अधिकारी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं । महामहिम अपनी सामान्य अंतर्दृष्टि के आधार पर आदेश देते हैं और सभी मामलों को संतोषजनक ढंग से निपटाते हैं । इस पूरे समय के दौरान विभिन्न देशों से आए तलवारिये व पहलवान अपने को तैयार रखते हैं और महिला तथा पुरुष गायक अपनी बारी की प्रतीक्षा में रहते हैं । चतुर बाज़ीगर और मज़ाकिया कलाबाज़ भी अपने कौशल और दक्षता का प्रदर्शन करने को उत्सुक हैं ।

(14.1) अबुल फ़ज़्ल ने अकबर के दरबार का वर्णन किस प्रकार किया है ? *3*

(14.2) दरबार में सामाजिक नियंत्रण को किस प्रकार व्यवहारित किया जाता था ? *2*

(14.3) दरबार की गतिविधियों में शाही परिवार के सदस्य किस प्रकार भाग लेते थे ? *2*

https://www.evidyarthi.in/

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

Darbar-i Akbari

Abu'l Fazl gives a vivid account of Akbar's darbar :

> Whenever His Majesty (Akbar) holds court (*darbar*) a large drum is beaten, the sounds of which are accompanied by Divine praise. In this manner, people of all classes receive notice. His Majesty's sons and grandchildren, the grandees of the Court, and all other men who have admittance, attend to make the *kornish*, and remain standing in their proper places. Learned men of renown and skilful mechanics pay their respects; and the officers of justice present their reports. His Majesty, with his usual insights, gives orders, and settles everything in a satisfactory manner. During the whole time, skilful gladiators and wrestlers from all countries hold themselves in readiness, and singers, male and female, are in waiting. Clever jugglers and funny tumblers also are anxious to exhibit their dexterity and agility.

(14.1) How has Abu'l Fazl described Akbar's darbar ?

(14.2) How was social control in court exercised ?

(14.3) How did members of the royal family participate in the darbar's activities ?

15. निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"अंग्रेज़ तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए"

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था :

> यह दोहराने का कोई मतलब नहीं है कि हम पृथक् निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है । यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं । हम सालों से यह सुन रहे हैं और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र हैं... । क्या आप मुझे एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहाँ पृथक् निर्वाचिका हो ? अगर आप मुझे दिखा दें तो मैं आपकी बात मान लूँगा । लेकिन अगर इस अभागे देश में विभाजन के बाद भी पृथक् निर्वाचिका की व्यवस्था बनाए रखी गई तो यहाँ जीने का कोई मतलब नहीं होगा । इसलिए मैं कहता हूँ कि यह सिर्फ मेरे भले की बात नहीं है बल्कि आपका भला भी इसी में है कि हम अतीत को भूल जाएँ । एक दिन हम एकजुट हो सकते हैं... । अंग्रेज़ तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए हैं । हम इस शरारत को और बढ़ाना नहीं चाहते । (सुनिए, सुनिए) । जब अंग्रेज़ों ने यह विचार पेश किया था तो उन्होंने यह उम्मीद

https://www.evidyarthi.in/

नहीं की थी कि उन्हें इतनी जल्दी भागना पड़ेगा । उन्होंने तो अपने शासन की सुविधा के लिए यह किया था । खैर, कोई बात नहीं । मगर अब वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं । अब हम इससे बाहर निकलेंगे या नहीं ?

संविधान सभा बहस, खंड 5

(15.1) उद्धरण के संदर्भ में अंग्रेज़ों द्वारा प्रस्तावित पृथक् निर्वाचिका प्रणाली के कारणों की पहचान कीजिए । *2*

(15.2) "अंग्रेज़ तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए हैं ।" सरदार पटेल के इस कथन का विश्लेषण कीजिए । *2*

(15.3) संयुक्त भारत के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल की इस दलील की व्याख्या कीजिए । *3*

अथवा

निम्नलिखित उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"जी नहीं, असली अल्पसंख्यक इस देश की जनता है"

जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत किए गए उद्देश्य प्रस्ताव का स्वागत करते हुए एन.जी. रंगा ने कहा था :

महोदय, अल्पसंख्यकों के बारे में बहुत बातें हो रही हैं । असली अल्पसंख्यक कौन हैं ? तथाकथित पाकिस्तानी प्रांतों में रहने वाले हिंदू, सिख और यहाँ तक मुसलमान भी अल्पसंख्यक नहीं हैं । जी नहीं, असली अल्पसंख्यक तो इस देश की जनता है । यह जनता इतनी दबी-कुचली और इतनी उत्पीड़ित है कि अभी तक साधारण नागरिक के अधिकारों का लाभ भी नहीं उठा पा रही है । स्थिति क्या है ? आप आदिवासी इलाकों में जाइए । उनके अपने कानूनों, उनके जनजातीय कानूनों, उनकी ज़मीन को उनसे नहीं छीना जा सकता । लेकिन हमारे व्यापारी वहाँ जाते हैं, और तथाकथित मुक्त बाज़ार के नाम पर उनकी ज़मीन छीन लेते हैं । भले ही कानून ज़मीन की इस बेदखली के खिलाफ हो, व्यापारी इन आदिवासियों को तरह-तरह के बंधनों में जकड़कर गुलाम बना लेते हैं और पीढ़ी-दर-पीढ़ी दासता के नर्क में ढकेल देते हैं । आइए अब आम गाँव वालों को देख लेते हैं । वहाँ सूदखोर पैसा लेकर जाता है और गाँव वालों को अपनी जेब में डाल लेता है । वहाँ ज़मींदार हैं और मालगुजार व अन्य विभिन्न लोग हैं जो इन ग़रीब देहातियों का शोषण करते हैं । इन लोगों में मूलभूत शिक्षा तक नहीं है । असली अल्पसंख्यक यही लोग हैं जिन्हें सुरक्षा और सुरक्षा का आश्वासन मिलना चाहिए । उन्हें आवश्यक सुरक्षा प्रदान करने के लिए केवल इस प्रस्ताव से काम चलने वाला नहीं है... ।

संविधान सभा बहस, खंड 2

https://www.evidyarthi.in/

(15.1) इस उद्धरण को पढ़ने के बाद क्या हम एन.जी. रंगा को एक 'समाजवादी' कह सकते हैं ? अपने उत्तर की पुष्टि उपयुक्त तर्कों के साथ कीजिए । *2*

(15.2) एन.जी. रंगा ने अपनी इस दलील को जवाहरलाल नेहरू के 'उद्देश्य प्रस्ताव' से किस प्रकार संबंधित किया ? *3*

(15.3) "असली अल्पसंख्यक इस देश की जनता है ।" एन.जी. रंगा के इस कथन का विश्लेषण कीजिए । *2*

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

"The British element is gone, but they have left the mischief behind"

Sardar Vallabh Bhai Patel said :

> It is no use saying that we ask for separate electorates, because it is good for us. We have heard it long enough. We have heard it for years, and as a result of this agitation we are now a separate nation ... Can you show me one free country where there are separate electorates ? If so, I shall be prepared to accept it. But in this unfortunate country if this separate electorate is going to be persisted in; even after the division of the country, woe betide the country; it is not worth living in. Therefore, I say, it is not for my good alone, it is for your own good that I say it, forget the past. One day, we may be united ... The British element is gone but they have left the mischief behind. We do not want to perpetuate that mischief. (Hear, hear). When the British introduced this element they had not expected that they will have to go so soon. They wanted it for their easy administration. That is all right. But they have left the legacy behind. Are we to get out of it or not ?
>
> *CAD,* Vol. V

(15.1) With reference to the extract, identify the reasons for the introduction of 'Separate Electorate System' by the Britishers.

(15.2) "The British element is gone, but they have left the mischief behind." Analyse the statement of Sardar Patel.

(15.3) Interpret the plea of Sardar Vallabh Bhai Patel for united India.

OR

https://www.evidyarthi.in/

Read the following extract carefully and answer the questions that follow :

"The real minorities are the masses of this country"

Welcoming the Objectives Resolution introduced by Jawaharlal Nehru, N.G. Ranga said :

> Sir, there is a lot of talk about minorities. Who are the real minorities ? Not the Hindus in the so-called Pakistan provinces, not the Sikhs, not even the Muslims. No, the real minorities are the masses of this country. These people are so depressed and oppressed and suppressed till now that they are not able to take advantage of the ordinary civil rights. What is the position ? You go to the tribal areas. According to law, their own traditional law, their tribal law, their lands cannot be alienated. Yet our merchants go there, and in the so-called free market they are able to snatch their lands. Thus, even though the law goes against this snatching away of their lands, still the merchants are able to turn the tribal people into veritable slaves by various kinds of bonds, and make them hereditary bond-slaves. Let us go to the ordinary villagers. There goes the money-lender with his money and he is able to get the villagers in his pocket. There is the landlord himself, the zamindar, and the *malguzar* and there are the various other people who are able to exploit these poor villagers. There is no elementary education even among these people. These are the real minorities that need protection and assurances of protection. In order to give them the necessary protection, we will need much more than this Resolution ...

CAD, Vol. II

(15.1) Can we call N.G. Ranga as a 'socialist' after reading this extract ? Give suitable arguments to support your answer.

(15.2) How did N.G. Ranga relate his plea with the 'Objectives Resolution' of Jawaharlal Nehru ?

(15.3) "The real minorities are the masses of this country." Analyse this statement of N.G. Ranga.

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड ङ
PART E
(मानचित्र प्रश्न / Map Question) *2+3=5*

16. (16.1) **भारत** के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 15 पर) में निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइए और उनके नाम लिखिए : *2*

(क) आगरा

अथवा

अजमेर

(ख) वह स्थान जहाँ की हिंसक घटना के कारण गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस लिया ।

अथवा

राष्ट्रीय आंदोलन का एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र ।

(16.2) **भारत** के दिए गए इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र में प्रमुख हड़प्पा स्थलों से सम्बन्धित तीन स्थानों को A, B और C के रूप में अंकित किया गया है । उन्हें पहचानिए और उनके सही नाम उनके पास खींची गई रेखाओं पर लिखिए । *3*

(16.1) On the given political outline map of **India** (on page 15), locate and label the following appropriately :

(a) Agra

OR

Ajmer

(b) The place where act of violence led Gandhiji to call off Non-Cooperation Movement.

OR

An important centre of National Movement.

(16.2) On the same political outline map of **India**, three places have been marked as A, B and C, which are related to major Harappan sites. Identify them and write their correct names on the lines drawn near them.

https://www.evidyarthi.in/

नोट : *निम्नलिखित प्रश्न केवल* ***दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों*** *के लिए प्र. सं. 16 के स्थान पर हैं :*

Note : *The following questions are for the* ***Visually Impaired Candidates*** *only in lieu of Q. No. 16 :*

(16.1) वह स्थान जहाँ की हिंसक घटना के कारण गांधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस लिया ।

(16.2) मुग़ल साम्राज्य के अधीन दो मुख्य (राजधानी) नगरों के नाम लिखिए ।

(16.3) किन्हीं तीन विकसित हड़प्पा स्थलों के नाम लिखिए । *1+1+3=5*

अथवा

किन्हीं तीन बौद्ध स्थलों का उल्लेख कीजिए । *1×3=3*

(16.1) Mention the place where act of violence led Gandhiji to call off the Non-Cooperation Movement.

(16.2) Name two capital cities of the Mughal Empire.

(16.3) Name any three mature Harappan sites.

OR

Mention any three Buddhist sites.

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न सं. 16.1 और 16.2 के लिए

For question no. 16.1 and 16.2

भारत का रेखा-मानचित्र (राजनीतिक)

Outline Map of India (Political)

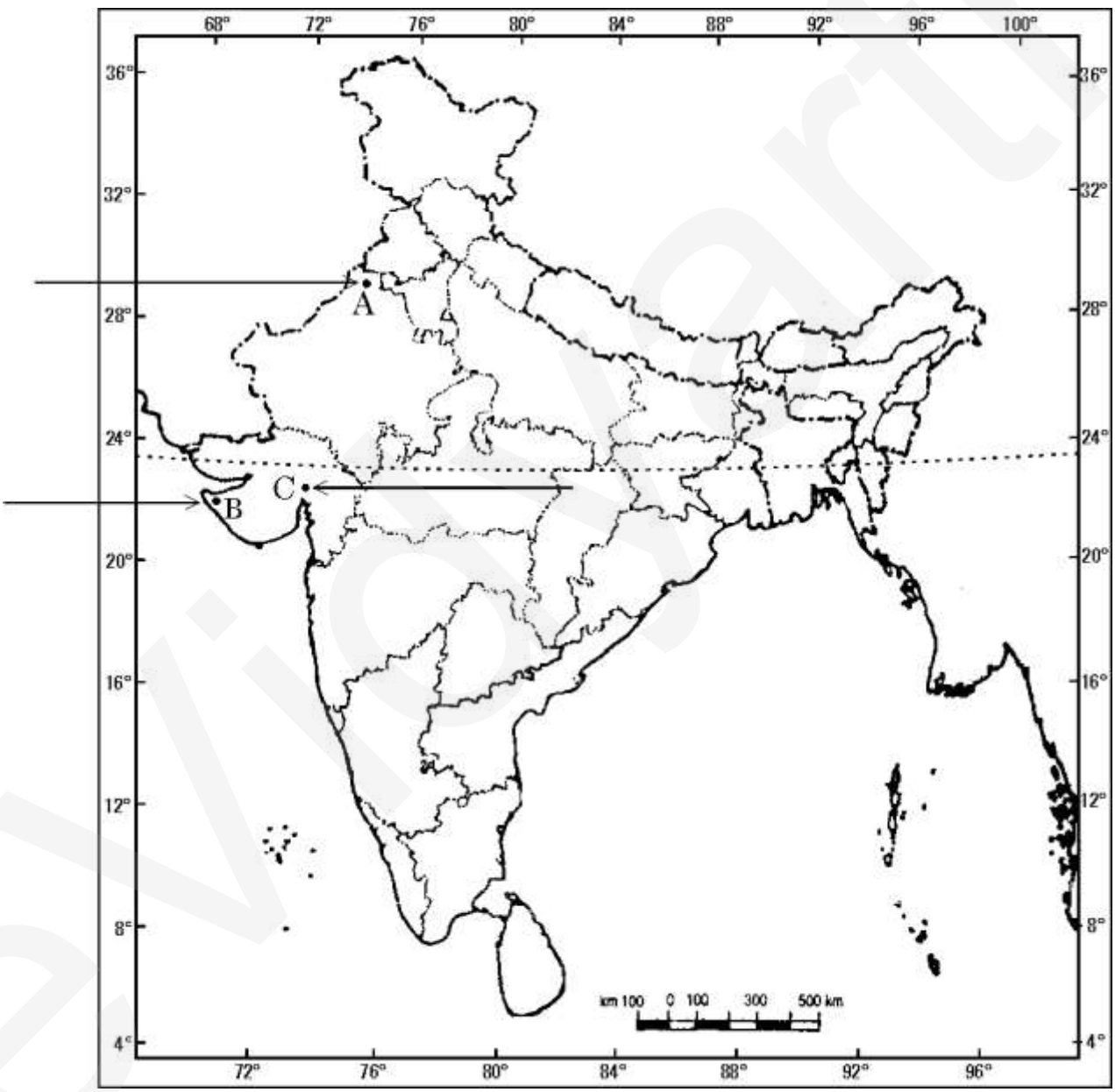

https://www.evidyarthi.in/